प्रलिम्सि फैक्ट्स : 08 जून, 2021

- ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ

37th Anniversary of Operation Blue Star

हाल ही में देश द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ मनाई गई।

प्रमुख बिंदु

ऑपरेशन ब्लू स्टार:

- यह 5 जून, 1984 को अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के अंदर छिपे अलगाववादियों को बाहर निकालने के लिये भारतीय सैन्य अभियान को दिया गया एक कोड नाम है।
- ऑपरेशन का आदेश तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुख्य रूप से अमृतसर में हरमंदिर साहिब परिसर (जिसे स्वर्ण मंदिर के रूप में जाना जाता है) पर नियंत्रण करने के लिये दिया था।
- सिख चरमपंथी धार्मिक नेता, जरनैल सिंह भिंडरावाले (Jarnail Singh Bhindranwale) और उनके सशस्त्र अनुयायियों को इस परिसर में बाहर निकालने के लिये भारतीय सेना ने मंदिर परिसर में प्रवेश किया।
- ऑपरेशन के दो घटक थे:
  - ऑपरेशन मेटल (Operation Metal) जो कि मंदिर परिसर पर आक्रमण था।
  - ऑपरेशन शॉप (Operation Shop) जो राज्य के ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित था।
- इस ऑपरेशन ने खालिस्तानी आतंकवाद को खत्म करने में मदद की।
  - इसके परिणामस्वरूप भिंडरावाले की मृत्यु हो गई।
  - ऑपरेशन ब्लू स्टार के कुछ महीनों बाद इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद दिल्ली में गंभीर सिख विरोधी दंगे हुए थे।

पृष्ठभूमि:

- जरनैल सिंह भिंडरावाले चाहते थे कि भारत सरकार आनंदपुर प्रस्ताव पारित करे और इस तरह सिखों के लिये एक अलग खालिस्तान राज्य के गठन के लिये सहमत हो।
- वर्ष 1982 के बाद से सिख धर्म के इस कट्टरपंथी नेता ने अपने कार्य के लिये पर्याप्त समर्थन हासिल करने में कामयाबी हासिल की और वर्ष 1983 के मध्य तक गोला-बारूद तथा अपने अनुयायियों के साथ स्वर्ण मंदिर परिसर के अंदर एक आधार स्थापित कर लिया था।
- इसलिये भिंडरावाले और उनकी मांगों से छुटकारा पाने के उद्देश्य से 1 जून और 6 जून, 1984 के बीच ऑपरेशन ब्लू स्टार शुरू किया गया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- यह एक आतंकवाद-रोधी इकाई है जो औपचारिक रूप से वर्ष 1986 में संसद के एक अधिनियम 'राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अधिनियम, 1986' द्वारा अस्तित्व में आई।
  - इसका मुख्यालय मानेसर, गुरुग्राम में स्थित है।
- आंतरिक अशांति के खिलाफ राज्यों की रक्षा के लिये आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने को ऑपरेशन ब्लू स्टार, अक्षरधाम मंदिर हमले और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद इस तरह के बल को बनाने का विचार आया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-08-june-2021